Regarding facilities for cataract operation in Sadar Hospital, Muzaffarpur-laid

श्री अजय निषाद **(**मुजफ्फरपुर**):** केन्द्र सरकार की ओर से मोतिया बिन्द को लेकर देश व्यापी अभियान चल रहा है । इसके तहत बिहार के मुजफ्फरपुर का चयन किया गया है । राज्य सरकार की उदासीनता के कारण यहाँ करीब दस साल से सरकारी अस्पताल में आपरेशन नहीं हो रहा है । वहीं एसकेएमसीएच परिसर में आँख के बेहतर इलाज के लिए आई बैंक की स्थापना की गई थी । आई बैंक तैयार करने में कुल तीन करोड़ खर्च हुआ लेकिन अभी तक यह चालू नहीं हो सका जिसके चलते लोगों को सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है । आई बैंक तैयार करने का मुख्य उद्देश्य यह था कि कोई व्यक्ति नेत्रदान करेंगे तो उसकी आँखों को यहाँ रिजर्व रखा जाएगा और यहाँ पर ताला लटका हुआ है । सदर अस्पताल मुजफ्फरपुर में विशेषज्ञ चिकित्सक के रहते ओटी यानी आपरेशन थियेटर की सुविधा नहीं रहने के कारण गरीब मरीज निजी अस्पताल में जाकर आपरेशन कराने को मजबूर हैं । 2020 में एसकेएमसीएच में आई बैंक बन कर तैयार हो गया लेकिन वह चालू नहीं हो पाया । मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि मोतिया बिन्द के आपरेशन हेतु तत्काल सुविधा मुहैया करायी जाय ।